राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 50.00 संख्या 2550
नैनो
सुपर कमाण्डो ध्रुव
सर्वनायक वर्ष 2014
अनुपम
EESHWAR ARTS

सुपर कमांडो ध्रुव

राजनगर के आकाश में चमकता अटल सितारा जिसकी चमक के आगे अपराधियों की आंखे और हौंसले दोनों चौंधियाते रहते हैं। लेकिन अपराधियों पर ग्रहण की तरह लग जाने वाले इस अपराध विनाशक की आंखों में ज्वाला जलती रहती है। प्रतिशोध की ज्वाला। और ये ज्वाला भड़की सर्कस की उस आग से जिसने ध्रुव से उसका सब कुछ छीन लिया। उसके माता-पिता राधा, श्याम, उसके ट्रेनर्स रंजन, सुलेमान, शेरखान, पवन और हरक्युलिस, सर्कस के सारे दोस्त जानवर, सर्कस के मालिक जैकब आदि सब कुछ जलकर राख हो गया। और राख हो गया सर्कस का एक उभरता करतबबाज। अब वो प्रतिशोध की आग में जलता एक अंगारा बन चुका था जिसका रुख अब गुनहगारों के अड्डे की तरफ था यानी ग्लोब सर्कस। ध्रुव सर्कस की अलग-अलग कलाओं का धनी तो था ही दिमाग का भी धनी था। अपने इसी दिमाग के बल पर उसने हत्यारों को तिगनी का नाच नचा दिया। उसकी जगह कोई और होता तो एक-एक को मौत की सूरत दिखला देता। लेकिन उसने शपथ ली थी कि वो किसी की जान नहीं लेगा। लेकिन नियति बड़ी बलवान होती है। उसने गुनहगारों को नहीं बख्शा। इस जघन्य हादसे के जिम्मेदार ग्लोब सर्कस के मालिक बॉस और जुबिस्को को उनकी करनी का दंड देने के बाद ध्रुव दिशाहीन सा हो गया। उसे अपराध से घृणा हो गयी थी पर भविष्य की कोई योजना उसके मन में नहीं थी। तब ध्रुव को सही दिशा दिखाने सामने आये एस. एस.पी. राजन मेहरा। उन्होने ना सिर्फ ध्रुव के अपराध उन्मूलन के अभियान को एक शक्ल दी बल्कि उसे अपना पुत्र बनाकर उसका परिवार भी लौटा दिया, जिसमें शामिल थी ममता की मुर्ति मां रजनी मेहरा और एक चुलबुली, शरारती और नटखट बहन श्वेता। तब ध्रुव ने राजनगर में नींव डाली अपराध के खिलाफ मोर्चा लेने वाली कंमाडो फोर्स की। जिसके कैडेट्स हैं पीटर, करीम, रेणु और जिसका कैप्टन है सुपर कंमाडो ध्रुव। अपराध के विरूद्ध इस अंतहीन सफर मे कई नये आयाम जुड़ते चले गये। चंडिका, नताशा, ब्लैक कैट, धनंजय, सामरी, वनपुत्र जैसे दोस्त मिले तो रोबो, ध्वनिराज, चुंबा, बौना वामन जैसे समाज के दुश्मन भी मिले। लेकिन ध्रुव इन सबसे ना सिर्फ टकरा गया बल्कि उनके लिये खौफ का दूसरा नाम भी बन गया। और ये सब वो कर पाया अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति, बेमिसाल बुद्धि और सर्कस में सीखी अपनी कलाओं के दम पर। आसपास की चीजों को हथियार बना लेना और पशु-पक्षियों से बात कर लेना ये ध्रुव की ऐसी क्षमताऐं हैं जो हारी बाजी भी पलट देती हैं।

कभी टर्मिनल कैंसर से मरते किसी मरीज को देखा है तुमने?
मैंने देखा है। अपने आप को।
मैं अपने शरीर से बाहर निकल कर उड़ रहा था। शायद इसे 'OUT OF BODY EXPERIENCE' कहते हैं।
जो मरने के कुछ क्षण पहले महसूस होता है।
मुझे अपने शरीर में घुसी वे अनगिनत पाइप उतनी ही साफ दिख रही थीं, जितनी कि अपने और उस 'डॉक्टर' के सिर पर लगी यंत्रों और सर्किट से भरी हुई वे अजीब-ओ-गरीब कैप्स।

पता नहीं कैसा ईलाज था वह।
जब दुनिया भर के डॉक्टरों ने हाथ खड़े कर दिए थे तो उस डॉक्टर ने मेरे परिवार को भरोसा दिया था कि उसकी नई तकनीक मुझे ठीक कर देगी। बिना दवाई और बिना ऑपरेशन के। और यह सच भी था।
अब मुझे अपने अंदर खिंचाव महसूस हो रहा था। मैं अपने शरीर में वापस घुस रहा था। शायद वह मेरे होश में आने के लक्षण थे।
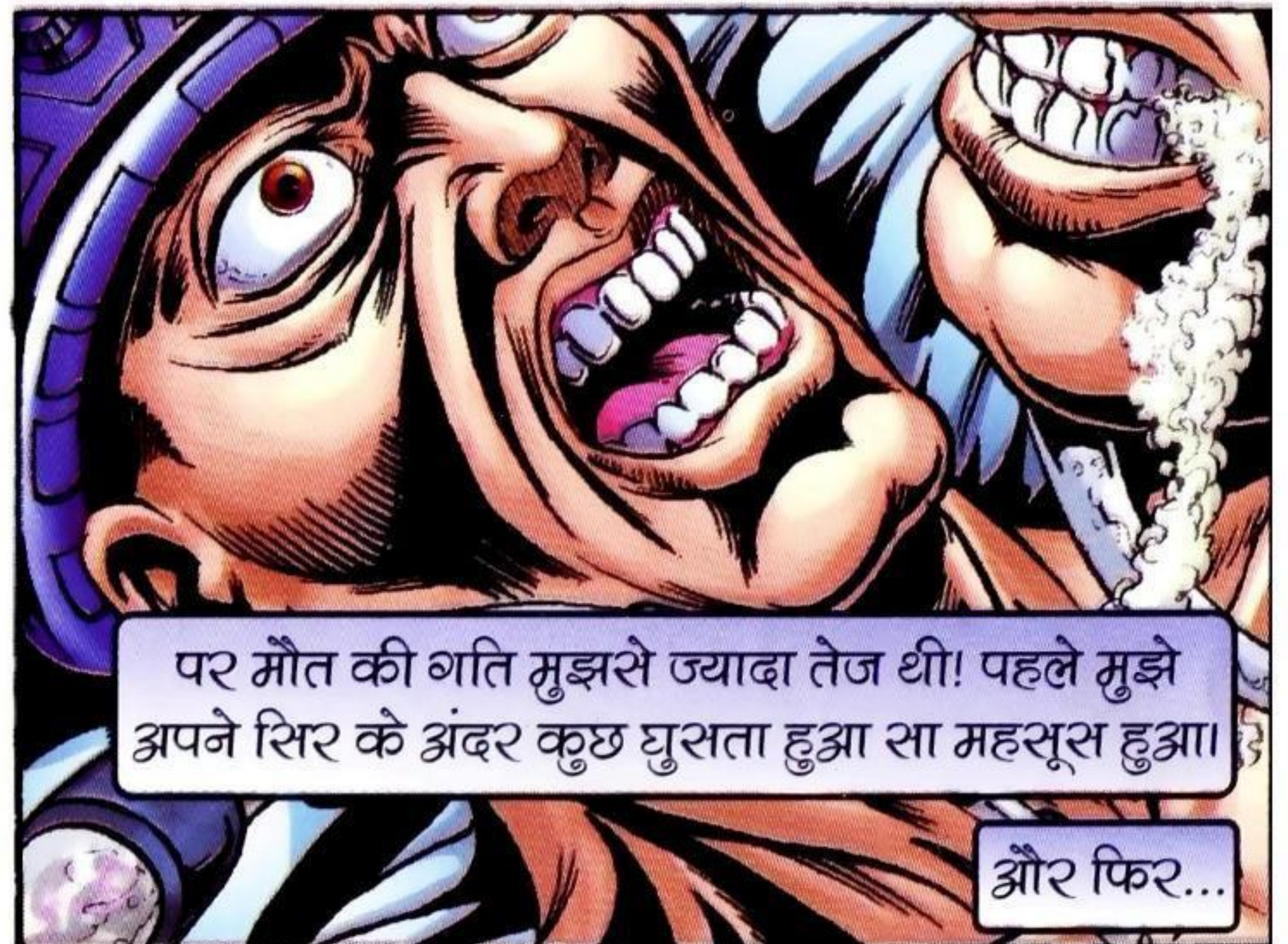
पर मौत की गति मुझसे ज्यादा तेज थी! पहले मुझे अपने सिर के अंदर कुछ घुसता हुआ सा महसूस हुआ।
और फिर...

मेरे डॉक्टर के मुंह से झाग निकलने लगा।
शायद हार्ट अटैक आया था उसे।
वह छाती पकड़ कर मेरे ऊपर ही गिर पड़ा।
मैं अपने शरीर से सिर्फ एक अंगुली की दूरी पर था।

पर तभी रोशनियां धुंधली पड़ने लगीं। अंधेरा अपने पैर पसारने लगा।
और यह अंधेरा...

...मौत का अंधेरा था।
और अब उसे मेरे अपने, मुझे जमीन में दफन करके और भी गहरा करने जा रहे थे।
मैं अभी भी ऊपर से सब कुछ साफ-साफ देख रहा था।
मेरा एक हिस्सा बाहर की रोशनी को महसूस कर रहा था और दूसरा हिस्सा कब्र के अंदर के घुप्प अंधेरे को।
1018
जिंदगी की रोशनी, मौत के अंधेरे से मिलने को बेताब हो रही थी।
लेकिन अतृप्त आत्मा को तो मौत का बाप भी नहीं रोक सकता।
पुनर्जन्म था वह मेरा। अब बस पूरी दुनिया को यह बताना बाकी था कि मेरा नया नाम है...
संजय गुप्ता पेश करते हैं।
नैनो
राज कॉमिक्स है मेरा जनून।
कथा एवं चित्रांकन: अनुपम सिन्हा
इंकिंग: विनोद कुमार
कलर्स: अभिषेक सिंह
कैलीग्राफी: नीरू, मंदार
संपादन: मनीष गुप्ता
संस्थापक: राजकुमार गुप्ता, मनोज गुप्ता
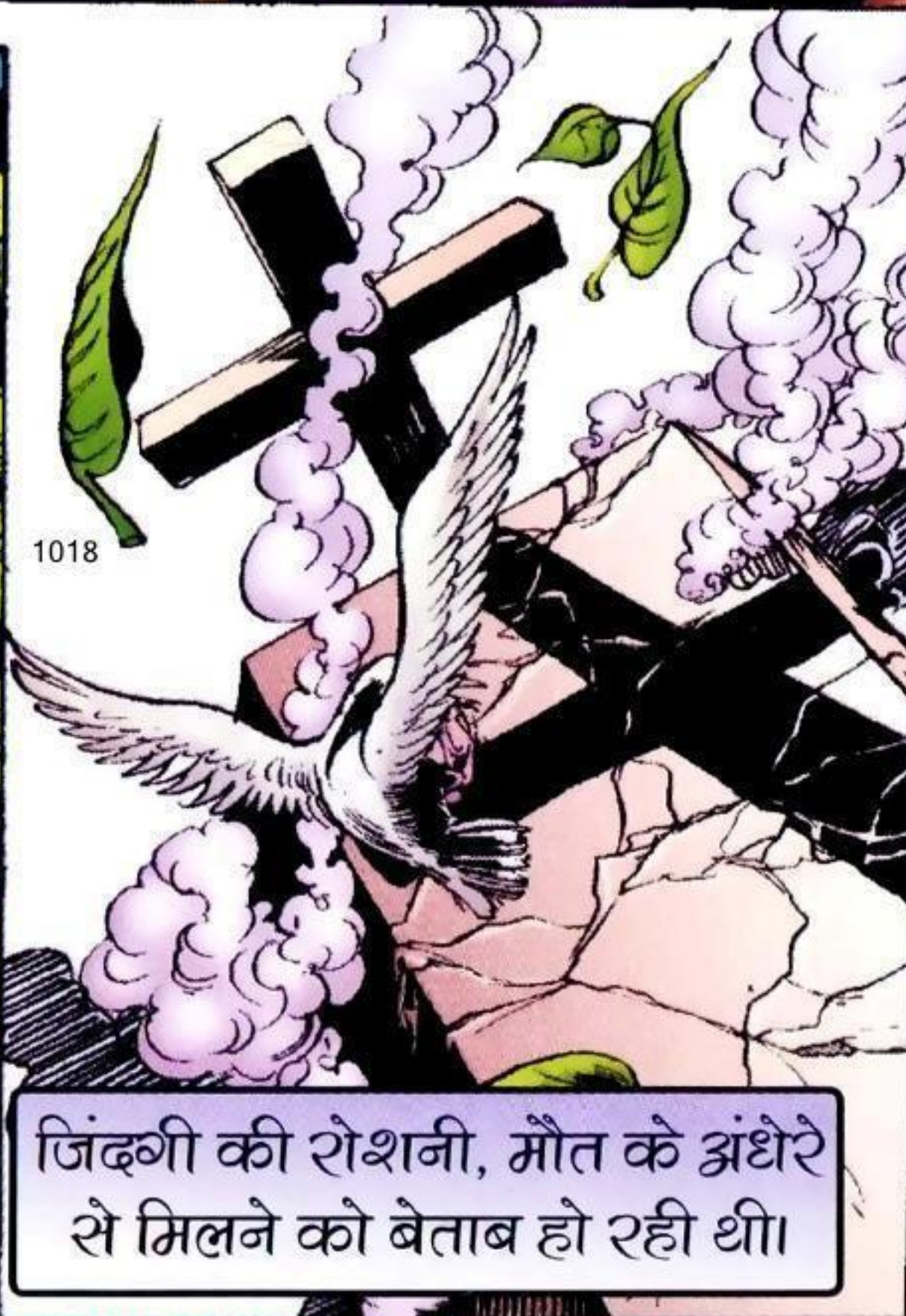
मेंटल असायलम
स्टेडियम
मनोचिकित्सालय
मौत को एक बार मात दी थी मैंने। पर अब इसकी आदत पड़ने लगी थी मुझे। मैं इस दुनिया का भगवान बन रहा था। जब चाहे मौत दूं और जब चाहे जिंदगी।
पर भगवान तो वही होता है जो दुनिया से पहले शैतान का अंत करे। तो मेरा पहला काम शैतान को ढूंढ़ना था। कहीं गायब हो गया कम्बख्त!
लगभग एक महीना लग गया उसे ढूंढ़ने में।
अब बस एक यमदूत का इंतजाम करना था मुझे।
आह! पागल हो गया है क्या?
यह नहीं!...
"...तू पागल हो गया है!"
"अब तू पागलखाने में जाकर फिलहाल आराम कर।"
"तेरा काम रात को शुरु होगा।"
"पर काम फुर्ती से करना।"
"क्योंकि जिससे तू मेरी 'हैलो' कहने जा रहा है, उसको तेरे आने का आभास पहले भी हो सकता है!"
अरे! क्या हुआ तुझे? अचानक तड़पने क्यों...
पास आऊं तेरे? अच्छा!
क्या काम..? अक्! छोड़ मुझे! छोड़...
अर्र्र्र्र्घ!
वह... आ रहा है!! मुझे मारने के लिए! ...जाना है मुझे!

"...जाना है।"

भाग गया शिकार!! पता तो चलना ही था उस कमबख्त को...
ALARM
खैर! भाग-कर जाएगा कहां?
जिधर भी भागेगा...

"...मौत की तरफ ही भागेगा।"
अब बचकर कहां जाएगा? चल सेल में वापस!!

अरे! यह.. क्या कर रहा है
तूSSSSSS!

रेस खत्म... तू जीत गया। यानी...

पहले.. तू मरेगा...
आSSSSह!
ईनाम पहले... नंबर दो को दिया जाता है। पहले बेहोशी वाली डार्ट खा!!

मैंने तो ईनाम ले लिया! अब तेरी बारी है!
अरे! इस पर तो बेहोशी की दवा बेअसर है!!
अब यह मुझे मार कर रहेगा।

मुझे...
...मरना...
वर्र्रू्ऽऽऽऽऽम्म्म
...नहीं हैऽऽऽ
ध्रुव! ये दोनों भागने न पाएं।

य...यह पागल नहीं कोई खतरनाक एलियन है!!
एलियन!! क्या बकवास...
...बकवास नहीं है! अच्छा हुआ कि मैं इस वक्त इस एरिया की गश्त पर था।
यह हादसा किसी भी एंगल से सामान्य तो नहीं है!
मुझे पहले इसे किसी सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना होगा।
पर मुझे नहीं लगता कि मुझे इसका मौका मिलेगा।
अब तो एक को बचाने के साथ-साथ दूसरे को पकड़ना भी जरूरी हो गया है।
इस मामले की तह तक जाना होगा।
RAJ
क्या यह सचमुच कोई एलियन है?
छोड़ दे मेरे शिकार को, लड़के!

...वर्ना इसके साथ तू भी मारा जाएगा।

छोऽऽऽड़ना ही हैऽऽऽ तो शुरुआत मैंऽऽ...

...इस स्टार लाइन से करूंगा!

इसे पकड़ने की बाद में सोचूंगा। पहले तो इससे पीछा छुड़ाना ही होगा।

और इससे पीछा छुड़ाने के लिए...

जैसे यह मेट्रो ट्रैक!
अरे! यह तो... ध्रुव है। और यह ट्रेन को चलते रहने का ईशारा कर रहा है।
क्या करूं? रूल तोड़ूं या ध्रुव पर भरोसा करूं? आम रूल तो आते जाते ही रहते हैं, पर ध्रुव का रूल हमेशा सही रिजल्ट देता है।
इसी की बात सुनता हूं!
हाहाहा! ट्रेन के आगे जाकर सोचता है कि मुझसे बच जाएगा।
मुझसे बड़ा पागल तो तू है जो इस दूसरी पटरी को भूल गया।
देखो, भाई! पागल तो तुम ही हो। दूसरी पटरी तो दिख गई तुम्हें।
पर पिछले स्टेशन के इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड पर इसपर आने वाली...

"ट्रेन का समय नहीं दिखा तुम्हें?"

आऽऽऽऽईईई

उम्मीद करता हूं कि इस टक्कर से वह अजूबा मरा नहीं होगा।
और इसके पंखों को भी ज्यादा नुक्सान नहीं...

...अरे! यह तो एक सामान्य इंसान नजर आ रहा है।
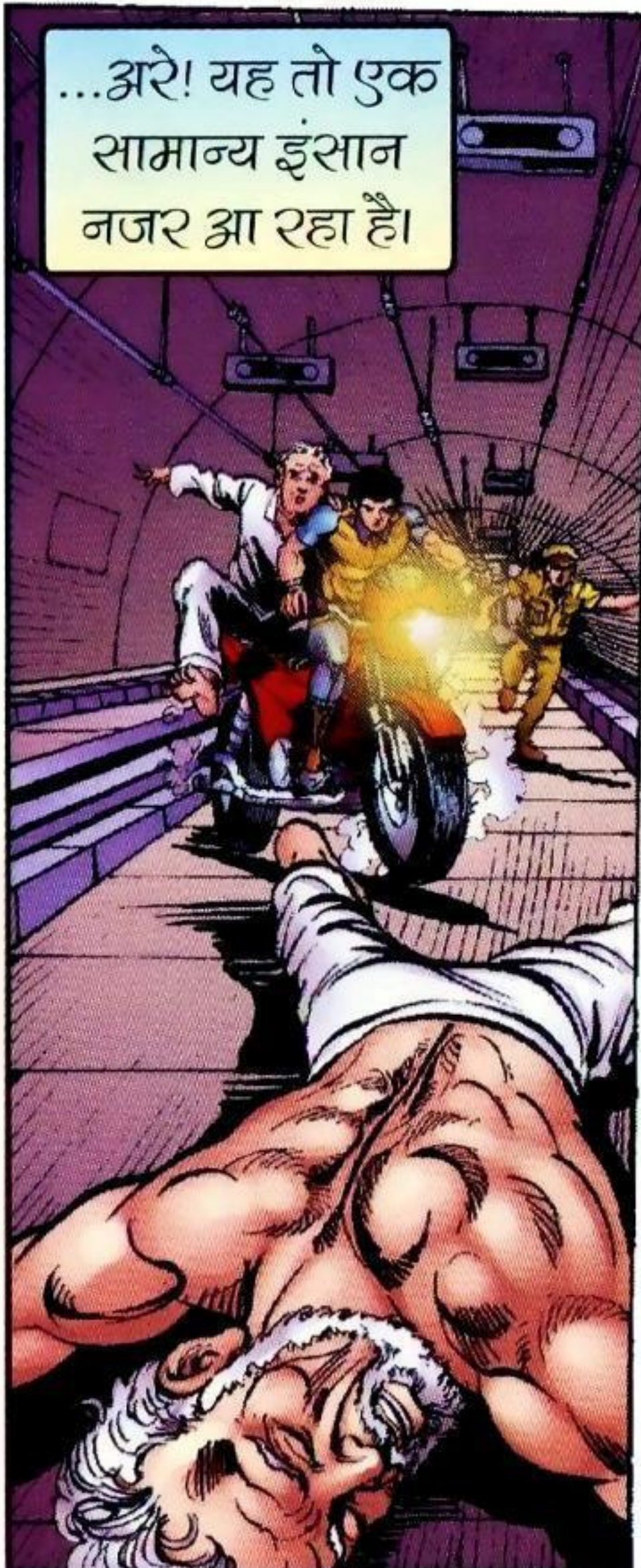
सिटी हॉस्पिटल-
'मेंटल एसाइलम' के गार्ड्स से मैं मिल चुका हूं। उनके अनुसार इस पर गोलियां भी असर नहीं करतीं।
यह एक भिखारी था और सालों से पागलखाने के सामने, सड़क के पार भीख मांगा करता था।
कल एका-एक न जाने इसे क्या हो गया कि यह पागलों जैसी हरकतें करने लगा और इसे पागलखाने लाना पड़ा।
वह दूसरा पागल कहां है जिसको तुमने बचाया था?
वह मेरी सेफ कस्टडी में है।
केस सुलझने तक उसे पुलिस कस्टडी या जेल में रखना खतरनाक हो सकता है।
पर वह है कौन?

यह पता नहीं चला। उसका न तो कोई पता है और न ही मेडिकल रिपोर्ट। पागलखाने वालों को वह महीने भर पहले, दरवाजे पर खड़ा मिला था।
जिस पेशंट को तुम यहां लाए हो उसकी रिपोर्ट भी सुनलो ध्रुव!

तुम्हारे अनुसार इसके बड़े-बड़े पंख थे और यह तेज रफ्तार मेट्रो ट्रेन से भी टकराया था।
हां। यह सच है! शायद इसे हाई टेंशन केबल से शॉक भी लगा हो।

पर इसके शरीर पर परों का कोई भी निशान नहीं है। और ना ही इसके शरीर में कोई ऐसी असमान्यता दिखी है।
इसकी कोई हड्डी तक नहीं टूटी है। न ही शरीर पर नील या जले के निशान हैं।
ट्रेन से टक्कर होने पर तो शरीर की आधी हड्डियां टूट जाती हैं।

आश्चर्य है। पर इसके चेहरे पर यह छेद कैसा है? जैसे किसी चिड़िया ने कस-कर चोंच मारी हो।
चिड़िया!!
हाहा!! पर फिलहाल यह सौ प्रतिशत नॉर्मल इंसान है।

पर यह तो सच है कि यह पागल खाने से अंडरग्राउंड मेट्रो के ट्रैक तक पहुंचा...
पर यह उस दूसरे पागल को मारना क्यों चाहता था? और अगर यह सिर्फ एक मोहरा है...

"तो फिर उसे चलाने वाला कौन है?"
सॉरी सर! आप इस चिड़िया के साथ अंदर नहीं जा सकते!
तो इसे थोड़ी देर के लिए...

...तुम रख लो!!
ओहर्रर। आऽऊऊ। इसे आप ही रखो। बस ध्यान रखना...
"कि अंदर यह किसी को चोंच न मारे!"
जो जहां है वहीं पर बैठ जाओ।
में जानता हूं कि यह ब्लड-बैंक नहीं है इसी-लिए मुझे खून बहाने पर मजबूर मत करो।
सारे बैंक कर्मी एक तरफ आ जाओ!
और जो इधर नहीं आया वह मारा जाएगा!
सच में? म... मार दोगे हमें?
नहीं रे माई! यह तो बैंक वालों को इकट्ठा करने का मंतर था...

...वर्ना इनको पहचानता कौन है? चलो रे एग्जीक्यूटिव लोगों! नोटों के बैग ले आओ फटाफट!
AULT

वर्ना मेरी गोली तुम्हारे थोबड़े का डेकोरेशन बिगाड़ देगी।
गोलियां तो हमारे पास भी हैं और तुमसे सौ गुना ज्यादा हैं।

अब चलो, तुम्हारा जेल में एकाउंट खुलवाते हैं।
स्पेशल पुलिस फोर्स!!
गड़बड़ हो गई है!! पर अब मेरा प्लान रुक भी नहीं सकता।
आखिर मैं कब तक सामान को चोरी के मिनी ट्रक में भर कर घूमता रहूंगा?

BANK

BANK SECURITY
अरे! अरे, वाह!! बैंक गार्ड पुलिस वालों पर गोलियां चलाने लगे।
पर क्यों?
हमें क्या? भाई लोगों, जितने थैले उठा सकते हो उठा लो...

"...और निकल लो पतली गली से चौड़ी सड़क पर!"

अब तो... पैसे निकलेंगे नहीं।
कहां से निकलेंगे? बैंक तो लुट गया। पर बच कर जाएंगे कहां...

"चप्पे-चप्पे पर नाकाबंदी की जा चुकी होगी।"
"लुटेरे तो पकड़े ही जाएंगे।"
पैसे वैन में कहीं नहीं हैं।
...और इनकी हालत भी बैंक के गार्ड्स जैसी ही हो रही है। दिमाग खिसक गया लगता है इनका!

कमांडो फोर्स हैड क्वार्टर-
कुछ समझ में नहीं आ रहा है।
एक भिखारी एकाएक पागल हो जाता है, वह पागल खाने में महीनों से बंद एक खास पागल को मारने की कोशिश करता है। उसके पंख उग आते हैं। और फिर...गायब हो जाते हैं।
कोई निशान तक नहीं बचता।
क्या हुआ, क्यों हुआ? कुछ समझ में नहीं आ रहा है।
अब यह पागल हमारा एकमात्र सूत्र है। पर यह कौन है यह कैसे पता चलेगा?
मैंने इसके फिंगर प्रिंटस पूरी दुनिया के फिंगर प्रिंट्स डाटाबेस से मिलाए हैं। इसका कहीं कोई रिकॉर्ड नहीं है।

अरे, पगले, कम से कम आधार कार्ड बनवा लेता तो फिंगर प्रिंट मैच हो जाते तेरे!
तो। हाथ में आया अंडा!

तू! तू हमारा मजाक उड़ाने आई है?

अब तुम्हारे हाथ में अंडा आया है तो मैं क्या करूं?

तू चिंता मत कर हमारी।

तुम्हारी चिंता तो, सिर्फ दो को ही है। मेरे ठेंगों को...

...और दूसरी मम्मी को।

रात भर आवारागर्दी करके भी बेटा घर न आए तो भी मां बेचारी उसको भूखा नहीं देख सकती।

नाश्ता भेजा है मम्मी ने तुम सबके लिए। और अंडे हैं इसमें। उबले भी, ऑमलेट भी!

अब जो वेजीटेरियन हैं, वे भरवां करेले खाएं और नॉनवेज वाले अंडे चबाएं।

मां के हाथ का नाश्ता!

यिप्पीSSSS! लॉटरी लग गई आज तो।

जल्दी खोलो टिफिन! सब्र नहीं हो रहा!!

मां का हाथ, पर लाया तो इसे बहन का हाथ है। उसको कोई क्रेडिट नहीं।

थैंक्यू, यार! तेरे हाथ हमारे बड़े काम आते हैं।

★ प्रस्तुत कथानक में दर्शाई गईं घटनाएं 'सिटी विदाऊट ए हीरो' श्रृंखला से पूर्व की हैं अतः पाठक नताशा की मौजूदगी को 'सिटी विदाऊट ए हीरो' श्रृंखला के अंत से जोड़कर ना देखें।

व्हाट! किसने हिम्मत की है ऐसी?
"जिन्होंने हिम्मत की थी वे पकड़े गए! पर पैसा कहां गया, किसी को नहीं पता!"
यह रहा दो साल का एडवांस!
धन्यवाद!
अब यह पूरी बिल्डिंग दो सालों के लिए आपकी हुई।
पर किसी न किसी के पास तो है वह पैसा, और उसका लूटने का मकसद भी!!
अपने दुश्मन पर हमला करते ही मुझे एक बात समझ में आ गई कि शक्ति से हर चीज को हासिल करने से लोगों का ध्यान खामख्वाह अपनी तरफ आकर्षित होता है।
और जब ज्यादातर काम पैसों से हो सकते हैं तो बार-बार ऐसा खतरा क्यों मोल लिया जाए।
अब बस एक ही अडंगा है। बाला खंडूरी! पर उसका भी जल्दी ही पता लगा लेगी...
BALA KHANDOORI LABS
"...मेरी चिड़िया।"
"और फिर बाला खंडूरी जहां पर भी होगा..."
"...वहीं पर जाकर उसका काम तमाम करूंगा मैं।"
"लेकिन उस दौरान मुझे दुनिया को अपनी मुट्ठी में करने की प्रक्रिया भी शुरू करनी है।"
"ओफ्! मरने के बाद भी फुरसत नहीं है।"
वह ब्रांच तो पुलिस स्टेशन के बगल में है। फिर कैसे? और यह खबर मुझ तक किसी पक्षी ने भी नहीं पहुंचाई।
आश्चर्य है! मुझे बैंक के C.C.T.V. कैमरों की फीड मंगवानी होगी!
हम उस ब्रांच की C.C.T.V. फीड से जुड़े हुए हैं, कैप्टेन! मैं फीड को सीधा अपने सिस्टम से जोड़ रहा हूं।

लुटेरों के बैंक के अंदर आने के बाद की क्लिप प्ले करो।
ओ!!! बड़े मेथॉडिकल हैं। कस्टमर्स और स्टाफ को अलग-अलग कर दिया...
और अब वे बैंक वालों से ही नोटों के भारी थैलों को उठवा रहे हैं।
पुलिस तो वहां टाईम पर पहुंच गई थी। सिर्फ तीन मिनटों के अंदर।
और उनकी रैपिड एक्शन टीम ने लुटेरों को घेर भी लिया था।
फिर ऐसा क्या...
ओऽऽ। गार्ड, पुलिस पर ही फायर करने लगे।
अचानक ऐसा क्या हो गया और अब लुटेरे भाग रहे हैं।
ईऽऽऽ
गार्ड्स तो लगता था कि अपने वश में ही नहीं थे।
ईऽऽऽ
ये...स्क्रीन को देखकर चीख रहे हैं। परंतु स्क्रीन पर तो...

डैड की स्थिति अब भी वैसी ही है जैसी उस वक्त थी और बाला का आविष्कार डैड की जान बचा सकता है। बाला खंडूरी नैनोबॉट्स का विशेषज्ञ है। सरकार के इसके प्रयोगों को अवैध मानते हुए इसपर जीवनपर्यंत रोक लगाने के बाद से हम इसे इसकी शोध के लिए पैसा दे रहे थे।

इसके अविष्कार में मानव रूप को मनचाहे रूप में बदल सकने की क्षमता है।

इसीलिए प्रशासन ने इन पर बैन लगाया हुआ है?

लेकिन इनकी यह हालत कैसे हुई?

इसका प्रयोग समाप्ति पर था। किसी मरणासन्न इंसान पर यह आखिरी चरण की टेस्टिंग कर रहा था। लेकिन उस टेस्टिंग के दौरान इसको हॉर्ट अटैक आ गया।

जिस इंसान पर यह प्रयोग कर रहा था वह मर गया और इसके होश में आने के बाद पता चला कि यह पागल हो गया था।

★जानने के लिए पढ़ें ध्रुव की पूर्व प्रकाशित कॉमिक्स **स्टेच्यू** और **गेम ओवर**।

हमने इसे दुनिया के बेस्ट डॉक्टर्स से चेक कराया।
अनगिनत टेस्ट किए गए इस पर!
और तब C.T. SCAN में एक आश्चर्यजनक तथ्य सामने आया।
इसके दिमाग का चैतन्य भाग यानि 'कांशस ब्रेन' एकदम निष्क्रिय था। TOTAL BLANK! जैसे कि वह कहीं... गायब हो गया हो!
तब हमने इसे राजनगर मेंटल एसाइलम में इस उम्मीद में रखने का फैसला लिया कि शायद कभी इसका चैतन्य दिमाग काम करने लगे! इसपर हम चौबीसों घंटे नजर रखते थे। पर कल न जाने क्या हुआ? लाख कोशिशों के बाद भी हम हमलावर को भेजने वाले का पता नहीं लगा पाए!
लेकिन नैनो क्षेत्र में तो हजारों शोध हो रहे हैं। खंडूरी ने ऐसा कौन सा अविष्कार कर लिया।

खंडूरी नैनोबॉट्स को ब्रेन कंट्रोल से संचालित करने की नई तकनीक विकसित कर रहा था।
इस चिकित्सा में नैनोबॉट्स मरीज के शरीर में जाकर भी डॉक्टर के दिमाग से जुड़े रहते हैं।
डॉक्टर उन नैनोबॉट्स को निर्देश देकर बीमारी का ईलाज करता है।
ओ, वाऊ!! खंडूरी जीनियस है।

ईऽऽऽ
अब.. अब यह फिर क्यों चिल्लाने लगा?
ऊपर कुछ है।

यह तो वही चिड़िया है जो बैंक में उस टोप वाले आदमी के कंधे पर बैठी थी!

यह हमें उसके पास ले जा सकती है। चिं चीं चीं चींऽऽऽ!!
यह तुम्हारी बात नहीं सुन रही। भाग रही है।
भागेगी कैसे?
मेरे दोस्त इसे भागने देंगे तब न।
चीं चियां चींचियूंऽ!!

अरे! सभी चिड़ियाएं उस चिड़िया से डर कर दूर भाग रही हैं।

तो तुम सब मिलकर भी मेरा मुकाबला कैसे करोगे?
जब तुम्हारी ढेर सारी चिड़ियाएं मेरी एक चिड़िया का मुकाबला नहीं कर पा रही हैं...
तो, आखिर-कार तुम खुद ही सामने आ गए। कौन हो तुम?
आऽऽऽऽह! कब से तरस रहे थे मेरे कान कि कोई तो मुझसे यह सवाल पूछे और मैं कह सकूं कि मैं हूं...
नैनो! नैनो बॉस! तुम सबका बाप!
और मुझे चाहिए वह पागल बूढ़ा जो फिलहाल तुम्हारे पास है! अब यह तुम तय कर लो कि तुम्हारी जान तुम्हारे ज्यादा काम की है या फिर वह पागल बूढ़ा।
सोचना पड़ेगा। वैसे यह डिस्कशन हम पुलिस लॉकअप में चलकर करें तो कैसा रहेगा?

...मैं पहले ही ऊपर चला जाता हूं!
अरे! यह तो उड़ने लगा।
...छत पर क्यों जा रहा है?
अरे! कहां गया?
क्या इसमें... गायब होने की भी शक्ति है?
और इसके पैर लगभग तुरंत ही ठीक हो गए!
नाऊ नो मोर शूटिंग, नताशा! मेरे सामने तो कतई नहीं।
पर यह अंदर घुसने की कोशिश करने के बजाए...
"या वह छत फाड़कर अंदर गया है।"
अरे! होना तो उसे यहीं पर चाहिए था...
फिर वह गया... आऽऽऽअऊ!
शर्म आनी चाहिए! एक बेचारे पागल बूढ़े को परेशान कर रहे हो।
श्वेता, हट जा! चोट लग जाएगी तुझे! हम निपट लेंगे इससे!
अरे! ऐसे लोगों की ही वजह से भईया को सुबह का नाश्ता तक नसीब नहीं होता।
ऐसों को पीटना एक बहन का फर्ज है।
तू हमें कैप्टन से पिटवाएगी श्वेता...
इससे कमांडो फोर्स को ही निपटने दे!
ओ.के.! तो मुझे खंडूरी की गर्दन तोड़ने से पहले...

...इस हेडक्वार्टर को तोड़ना पड़ेगा।
आऊSSS! यह इंसान नहीं हो सकता।
और ऊपर-
वह डक्ट के रास्ते अंदर गया है...
जल्दी चलो। न जाने वह नीचे...
"...क्या कहर ढा रहा होगा।"
टीम! स्ट्राईक वन! बॉल शूट!
लीडर! स्ट्राईक टू! जैपर डिस्चार्ज 5000 वोल्ट्स।
लीडर! स्ट्राईक थ्री! डॉर्ट शूट।
आऊ!! यह क्या? मेरे गिरने से हुई आवाज बता रही है कि यह प्लेटफॉर्म नीचे से खोखला है।
मतलब नीचे कोई चैंबर है। और इसी चैंबर में होगा बाला खंडूरी।
पर उस तक पहुंचने के लिए...
...मुझे इन बंदरों को...
...खामोश करना होगा।
यह भईया कहां रह गया? अब चंडिका को...
...बुलाना... ओह! मुझे यह क्या हो रहा है? मेरे होश...
इस लड़की पर असर देर से हुआ।

मैं तो डर ही गया था। शायद ए.सी. की ठंड का असर था यह।
बाला! खुश हो जाओ, अब तुम पागल नहीं रहोगे।
क्योंकि तुम रहोगे ही नहीं!
तुम्हें तुम्हारे इस निरर्थक जीवन से मुक्ति दिलवाने आया हूं मैं।

कमाल है। जेल में बंद होने वाला आदमी मुक्ति देने की बात कर रहा है।
आऽऽह। यह तू दूसरी बार मेरे फटे में टांग अड़ा रहा है।
...फिर भी एक मौका और देता हूं तुझे...

लेकिन मैं कोई मौका नहीं दूंगा!

मौका मांगता कौन है? भिखारी समझा है क्या?

नैनो सिर्फ एक ही चीज देता और लेता है...

मौत!...
ओ गॉड! य..यह फिर से हाथों के चारों तरफ गर्म हवा पैदा करके हवा में उठ रहा है।

नताशा! बचना क्योंकि ये गोले फट भी...
आऽऽऽऽऽह!
अगर हड्डियां अभी भी सलामत बच गई हों तो अगली बार मैं उनको तोड़ भी सकता हूं!
नताशा! मैं इसका ध्यान बंटाता हूं। तुम बाला खंडूरी को लेकर यहां से निकलो।
लेकिन ध्रुव, नैनो की शक्तियां अंजान भी हैं और खतरनाक भी।
मुझे अंदाजा है। इसीलिए तो मैं...
...तुमसे खंडूरी को ले जाने के लिए कह रहा हूं।
बस बहुत हो गया।
अब तुझे नैनो का असली मतलब...
...समझाना ही पड़ेगा।
आऽऽह! मैं... अभी भी इसकी शक्तियों को... समझ नहीं पा रहा हूं!
ध्रुव ने अपनी जान दांव पर लगाकर...

...नताशा को खंडूरी की जान बचाने का मौका दे दिया था।
बाला, बचना है तो फटाफट आओ।

ओ, श्वेता! तुम होश में आ गईं। गुड! आओ! हम ट्रिपल सवारी भी चल सकते हैं।
ट्रिपलिंग से काम नहीं चलेगा...

पचास सवारी ले चल सकती है तो बोल!
ओ गॉड। यह तो... नैनो बॉस की भाषा बोल रही है।
ऊपर भी माहौल कुछ अनुकूल नहीं था।
आऊऽऽ! ...इसपर शायद घूंसों से ज्यादा असर तो गुदगुदी करेगी।

यह तो मेरे वारों को महसूस ही नहीं कर रहा है। जैसे कि इसके शरीर में कोई अनुभूति ही न हो।
अब... लेजर बीम! वह भी... आंखों से? यह नैनो है क्या चीज? इस नैनो के तो नैन भी महा खतरनाक हैं।

आक्क्क....छीं। कुछ देर से यह एलर्जी क्यों हो रही है? नाक बंद हो रही है।
कैप्टेन! हमारे इन्फ्रारेड C.C.T.V. कैमरे इसके BIO SCAN में इसके पूरे शरीर में अलग-अलग जगहों पर अजीब-ओ-गरीब डेवलपमेंट रिकॉर्ड कर रहे हैं।

यानी इसको जो कुछ भी शक्ति दे रहा है, वह इसके शरीर के अंदर है।
और कई स्थानों पर है।

अब काम आसान होता लग रहा है।

हाहाहा! डर लग रहा है मुझे। तू..तू मुझे सुई लगाएगा।
ले लगा ले!
बस! हो गया खुश? अरे, नैनों कोई बच्चा है जो सुई से डरेगा, तलवार या कम से कम चाकू ही फेंकता तो कोई बात...
अरे!...म.. मेरा हाथ क्यों नहीं हिल रहा है?
क्योंकि यह एक्यूपंक्चर नीडल्स हैं!
और ये तुम्हारे पूरे स्नायु तंत्र का संपर्क तुम्हारे दिमाग से काट रही हैं।
आऽऽऽऊ! स्नायु तंत्र!!
नर्वस सिस्टम!
आऽऽऽह!.. स.. सच में?
पर... यह लड़ाई तू अभी जीता नहीं है।
पर तुम्हारी तो हवा निकल चुकी है!
ध्रुव! बड़ी गड़बड़ कर दी है इस नैनो ने। और वह भी न जाने कैसे!
कैसी गड़बड़?
ओ नो! नोऽऽऽऽ!
य..यह कैसे हो गया?
सिर्फ श्वेता ही नहीं कमांडो फोर्स भी नैनो के असर से बची नहीं है! पर कैसे?
जरूर इनके शरीर में कोई ऐसी चीज गई है जो इनपर यह असर कर रही है।
पर क्या और कैसे ? इनमें से कई कमांडोज तो नैनों के सामने तक नहीं आए होंगे। ये दूसरे चैंबर्स में अपना काम करते हैं।
ओ गॉड! समझा!!

नैनो का ए.सी. डक्ट से अंदर आना संयोग नहीं था।
इसने डक्ट में नैनो-बॉट्स डाल दिए होंगे और वे नैनो बॉट्स ए.सी. डक्ट से हवा में होते हुए, सांस के द्वारा कमांडोज और श्वेता तक पहुंच गए।
तो फिर हम पर असर क्यों नहीं हुआ? और करीम भी तो ठीक है।
मैं और तुम नर्व गैसेज जैसे हमलों से बचने के लिए हमेशा नोज फिल्टर्स पहनते हैं।
और करीम को जुकाम है।
समझी! पर उधर देखो! तुम्हारे अपने कमांडोज...
" नैनो की सुईयां निकाल रहे हैं।"
पकड़ो इसको!
तुम यहां से खंडूरी को लेकर निकलो, नताशा!
इनसे मैं निपट लूंगा।
हद हो गई। अब मुझे अपने ही ट्रेंड किए गए कमांडोज से लड़ना होगा?
और ये काम आसान नहीं होगा। ऊपर से श्वेता भी इनमें से ही एक हो गई है। इसपर वार करना तो मेरे लिए असंभव है। आऽऽह!
हाहाहा! देखा, ध्रुव! सब नैनो के साथ हैं। कल पूरा राजनगर नैनो के साथ होगा। मेरा गुलाम होगा तेरा शहर!
मेरी अंगुलियों पर नाचने वाली लाखों कठपुतलियां होंगी।
नैनोबॉट्स के म्यूटेशन के कारण इनकी शक्ति बढ़ गई है। और मेरी ट्रेनिंग के साथ मिल कर यह मेरे लिए ही खतरनाक सिद्ध हो रही है।
इनसे एक-एक करके निपटा नहीं जा सकता!

इनसे एक साथ ही निपटना होगा।
और अगर नैनोबॉट्स के बारे में मेरी सोच सही है...
...तो यह तरीका जरूर काम करेगा!
स्टार फ्लेयर्स की चिंगारी 'स्मोक डिटेक्टर' से टकराते ही 'स्प्रिंकलर्स' चालू हो गए।
ओफ्! गलब्?
सॉरी, ब्वायज़! पर तुम लोगों के दिमाग ठीक करने के लिए...
...शॉक तो देना ही पड़ेगा!
मुझे तो मेरे स्केट्स के रबर टायर बचा लेंगे पर यह शॉक तुम लोगों के शरीर में दौड़ रहे नैनोबॉट्स को खराब जरूर कर देगा।

आऽऽह! तुझे इसका बदला चुकाना होगा, ध्रुव! तूने... मेरी.. ताकत को भी नुकसान पहुंचाया है।
मुझे संभ-लने का वक्त चाहिए!
अभी मुझे जाना होगा।
हम मेहमानों को बिना खाए पिए जाने नहीं देते! क्या लोगे आप?
कुछ लात, कुछ घूंसे...?
वह तो कल पूरा राजनगर तुझे खिलाएगा, अगर तू मेरी चिड़िया से बच गया तो!

इसकी चोंच के एक वार से तेरे शरीर में दर्जनों नैनोबॉट्स प्रवेश कर जाएंगे।

अब तेरे जिगर के दो टुकड़े मेरे पास हैं।
अगर इनकी सलामती चाहता है तो कल सुबह तक बाला खड़ूरी को राजनगर के सिटी स्क्वायर पर छोड़ जाना!
वर्ना वहां से इन दोनों को पागल खाने भर्ती कराने ले जाना।

ओफ्! इस चिड़िया के तो पंख ब्लेड जैसे तेज हो गए हैं! इससे बचना भी जरूरी है और इसको जिंदा पकड़ना भी। क्योंकि फिलहाल यही नैनो से हमारा एकमात्र संपर्क है।
कैप्टेन! मैं नैनो के पीछे जाता हूं।
रहने दो। एक तुम ही तो सही सलामत बचे हो कमांडो फोर्स में। अभी तुमसे कई दूसरे काम हैं। नैनो को तो हम पकड़ ही लेंगे।

तुम इस चिड़िया का स्कैन देखो!
नैनो इसे अपने इशारे पर नचा रहा है। यानी नैनो इससे किसी तरह से जुड़ा हुआ है।
अरे! इस चिड़िया को क्या हो रहा है। यह कुछ भ्रमित सी लग रही है। देखता हूं।

चीचीची
चिया! चीऽऽऽ!
ओह! यह तो नैनो को कब्रि-स्तान में मिली थी। जब नैनो कब्र फोड़कर बाहर निकला था!

ओह! यह तो फिर बिफर गई। कह रही है अब तुझे भी कब्रिस्तान पहुंचा दूंगी।
यह इस इंडोर प्लांट से घिरी हुई थी। लगता है, इस इंडोर प्लांट ने किसी तरह इसका संपर्क नैनो से काट दिया था।

जैसे मैं अब इसका संपर्क इसकी उड़ान से काट दे रहा हूं। यह कौन सा प्लांट है करीम?

यह इंपोर्टेड ब्राजीलियन इनडोर प्लांट है, कैप्टेन! कहते हैं कि इसको बढ़ने के लिए प्रकाश की जरूरत नहीं है क्योंकि इसके अंदर खुद तीव्र 'बायो इलेक्ट्रिकल' तरंगें पैदा होती हैं।

यानी... इन पौधों की बायो इले-क्ट्रिक तरंगें उन तरंगों को रोक देती हैं, जिनके माध्यम से नैनो अपने शिकारों को कंट्रोल करता है।
एक मिनट, कैप्टेन! नैनो की 'फेस सर्च' के रिजल्ट आ रहे हैं।
पर... यह तो असंभव है।
क्या असंभव है?

इस आदमी का नाम तो... इल्लैया आर्थर है! और यह...एक महीने पहले मर चुका है। मौत का कारण ब्लड कैंसर लिखा है।
हुम्म! यह चिड़िया भी कुछ ऐसा ही बता रही थी! एक मृत कैंसर के पेशेंट का बाला खंडूरी से भला क्या संबंध हो सकता है?
संबंध मुझे समझ में आ रहा है!!

बाला खंडूरी जिस टर्मिनल कैंसर के पेशेंट का इलाज कर रहा था वह पेशेंट इल्लैया आर्थर उर्फ नैनो के अलावा और कोई हो ही नहीं सकता।
करीम! 'जन्म मृत्यु' कार्यालय से इल्लैया आर्थर का फोन नंबर लेकर बात करो!
पता करो कि वह मरते वक्त किस डॉक्टर के अंडर में था! ..न..न, सबसे पहले पता करना कि वह मरा भी है या नहीं।

न्यूज कंफर्म है, कैप्टेन! इल्लैया आर्थर मर चुका है। उसका ईलाज बाला खंडूरी कर रहे थे। मौत का कारण ट्रीटमेंट के अहम स्तर पर डॉक्टर को हार्टअटैक आ जाना बताया गया है।
पर सबसे डिस्टर्बिंग बात यह है कि कब्र से इल्लैया आर्थर की बॉडी लापता है। उसके परिवार ने पुलिस रिपोर्ट भी दर्ज कराई है।

हमें माफ कर दें कैप्टेन। हम अपने वश में नहीं थे।

इट्स ओऽऽके.! अब फटाफट अपने-अपने वर्क स्टेशन पर जाओ।

बाला खंडूरी को तुमने कहां रखा है, नताशा?

सारे छुपने के अड्डे तुमको बता दूंगी तो तुमसे पीछा कैसे छुड़ाऊंगी, स्वीटी पाई? पर तुमने बताया नहीं कि नैनो तुमसे बचकर भागा कैसे?

मेरे डैड को पकड़ते वक्त तो तुम बड़े चुस्त रहते हो।

श्वेता और पीटर उसे बचा ले गए! मैं उसकी चिड़िया से ही उलझा रह गया...

समझ गई। पर अब तुम मुझे लेकर जा कहां रहे हो?

ये सारी सुविधाएं तो रोबो ने खंडूरी को उपलब्ध कराई थी न?
हां! पर यह सीक्रेट है। हम सिर्फ टैलेंट को बढ़ावा देते हैं।
शऽऽ! रोबो एंड कंपनी किसी को फंडिंग करे और उस पर नजर न रखे यह हो नहीं सकता। खंडूरी पर तुम नजर कैसे रखते थे?
हमारे दो आदमी हर समय इस ईमारत के आसपास तैनात रहते थे। उन आदमियों को हम बदलते रहते थे।
कोई C.C.T.V.?
अरे, हांऽऽऽ! उसे तो हम भूल ही गए थे! क्योंकि उसकी फीड से हम कनेक्ट नहीं थे। ऐसा करते तो कानून के हाथ, डैड तक पहुंचने का खतरा बना रहता!
कहां है वह कैमरा?
यह है वह कैमरा! इसकी 50TB की इंटरनल मेमोरी है!
इसमें लग-भग एक महीने की रिकॉर्डिंग हो जाती है।
..हम्म! तो यह हुआ था उस दिन!
यह ईलाज नहीं एक एक्सपेरीमेंट था। और उसके बीच में ही खंडूरी को हॉर्ट-अटैक आने के कारण आर्थर चल बसा और नैनोबॉट्स से भरे उसके मृत शरीर को दफना दिया गया।
लेकिन इस घटना के बाद... खंडूरी पागल क्यों हुआ और आर्थर जिंदा कैसे हुआ?

और C.C.T.V. क्लिप में दिख रहे वे हेलमेट कहां गए?
और सबसे बड़ी बात कि नैनो उर्फ इल्लैया आर्थर बाला खंडूरी को मारना क्यों चाहता है?

ओऽऽह! हां! समझा! सिर्फ...सिर्फ यही हो सकता है!
क्या?

खंडूरी नैनोबॉट्स के साथ कुछ नया कर रहा था न?
सारे तथ्य इसी ओर ईशारा कर रहे हैं कि वह नैनोबॉट्स को अपने दिमाग से कंट्रोल कर रहा था! और अब वह कंट्रोल नैनो के पास है...

पर... पर! एक मिनट! एक बात मैं कैसे भूल गया? वह भी इतनी महत्वपूर्ण बात!
कमांडो हैडक्वार्टर में सिर्फ हम ही दो ऐसे लोग नहीं थे जिन पर नैनोबॉट्स का असर नहीं हुआ।
बाला खंडूरी भी वहां पर थे और उन्होने 'नोज फिल्टर्स' भी नहीं लगाए हुए थे। उनपर असर क्यों नहीं हुआ?

"तुम हेलमेट्स को ढूंढो नताशा, और मैं श्वेता और पीटर को वापस लाता हूं।"
तो ले आया तू खंडूरी को! वैसे तुझसे ऐसी उम्मीद तो नहीं थी मुझे।
लेकिन देख ले, मैं भी जबान का पक्का हूं!
अब जरा इसका घूंघट तो हटा! देखूं तो कि यह खंडूरी है या तेरी कोई चाल!
नहीं! पहले मुझे पीटर और श्वेता का असली चेहरा देखना है। पहले इनको नैनोबॉट्स की गिरफ्त से आजाद करो!
तू बहस करने की स्थिति में नहीं है लड़के!
पीटर! थैला खींच इस बंधक के मुंह से!
खबरदार, जो...
इसे पहले हाथ लगाया तो... उफ!

फुर्तीला तो यह था ही पर नैनोबॉट्स की पॉवर से मेंढ़क बनकर...
...यह और तेज हो गया है।
मैंने कहा न, तू मांगें रखने की हालत में...

...नहीं है।

अरे! ये... यह तो पुतला है। मैनेक्विन!
मोटोराइज्ड मैनेक्विन! तभी यह हिलता दिख रहा था और असली लग रहा था। और इसकी गर्दन में फिट था, 5000 वोल्ट्स का जैपर!

जैपर के शॉक ने पीटर के शरीर के नैनोबॉट्स तो नष्ट कर दिए।
और अब श्वेता को मैं नष्ट कर दूंगा। तुझे वॉर्निंग दी थी मैंने...

लेकिन तूने उसे मजाक... अरे! यह क्या है!
जान जाओगे! बस समझ लो कि यह तुम्हारे दिमाग से निकलने वाली उन इलेक्ट्रिकल तरंगो को रोक देगा जिससे तुम श्वेता के शरीर के नैनोबॉट्स को चला रहे थे।

अब श्वेता का तुम कुछ नहीं बिगाड़ सकते!
मेरे पास एक और जैपर है। इसका बस एक झटका इसके लिए काफी होगा।
नैनो इस पौधे के रहते दूसरों को कंट्रोल नहीं कर सकता। पर खुद को तो कंट्रोल कर सकता है न।
और अब श्वेता को मैं फिर कंट्रोल करूंगा।
अरे! यह क्या?
और श्वेता तुझे!
अब श्वेता तुझे मारेगी। और तू अपनी बहन को पलटकर मारे, इतना गुस्ताख तो तू है नहीं।
तेरा खेल खत्म, ध्रुव!
हिंदुस्तान में बहन की रक्षा करते हैं।
इसीलिए सिर्फ हिंदु-स्तान में राखी जैसा त्योहार होता है।
यह क्या? राखी! यह ड्रामा तेरे किसी काम नहीं आएगा...
देखते हैं!!

यह नहीं हो सकता!
एक राखी से? यह असंभव है। अंधविश्वास है।
यह शुद्ध विज्ञान है, नैनो!

राखी से जुड़ी भावनाओं ने श्वेता के दिमाग में एक तेज विद्युत तरंग पैदा की और वह तुम्हारे नैनोबॉट्स को खत्म करने के लिए काफी थी।
एक इंसानी शरीर 12 वोल्ट से ज्यादा की बिजली पैदा कर सकता है।

काफी समझ है तुझे विज्ञान की! तब तो तुझे यह भी समझ में आ जाएगा कि मेरे शरीर के नैनोबॉट्स उस 12 वोल्ट को...

1200 वोल्ट में बदल सकते हैं।
अब मैं इस खेल को और लंबा नहीं खींचूंगा।
मेरे सब्र का प्याला भरने से पहले बता दे कि खंडूरी को कहां छिपा रखा है तूने?
वैसे मुझे खुद नहीं पता! मैंने तुम्हारा बायोडाटा पढ़ा है। तुम तो एक बैंकर थे। फिर भी तुम्हारी समझ वैज्ञानिकों जैसी है। कैसे?

यानी तू मुझे अनसुना कर रहा है। ठीक है। अब खंडूरी बाद में मरेगा। पहले मरेंगे...

फ़्ऊँऊँ
खंडूरी को बचाने वाले!
बस! अब भागदौड़ खत्म और आखिरी सफर शुरू!
अरे! यह क्या?
आखिरी सफर! जेल तक का!
तुमसे लड़ने का मकसद तो सिर्फ तुम्हारा ध्यान भटकाना था।
ताकि स्टार-कॉप्टर के जरिए तुम्हें हाई वोल्टेज शॉक दिए जा सकें!
अगर कमांडो फोर्स के नैनोबॉट्स हल्के शॉक से खत्म हो सकते हैं तो...
...तुम्हारे शरीर के नैनोबॉट्स भी 50,000 वोल्ट के इस शॉक के सामने ठहर नहीं पाएंगे!
गलत, लड़के! मेरे शरीर में कुछ नैनोबॉट्स ऐसे भी हैं। जिनका काम ही एनर्जी को सोखना है।
लेकिन तेरी इस गुस्ताखी ने मेरे कुछ और शक्तिवर्धक नैनोबॉट्स को जरूर नुकसान पहुंचाया है।
इसीलिए फिलहाल मैं तुझे यमलोक पहुंचाने के लिए रुक नहीं पाऊंगा।...
लेकिन मेरी मान तो कल आने से पहले तू खुदकुशी कर ले।

"बस मुझे यह पता करना है कि वह फिलहाल किस रास्ते से पूरे राजनगर को गुलाम बनाने की सोच रहा है।"

लेकिन अगर रातभर में यह नहीं पता चल पाया...

तो कल शायद सुबह नैनो अपनी धमकी को सच करके दिखा देगा।

कल सुबह के सूरज के साथ नैनो के साम्राज्य का भी उदय होगा।

अब मेरी शक्तियां लग-भग वापस आ गई हैं।

और अब मैं ध्रुव जैसे खतरे को भी हल्के में नहीं ले रहा हूं। मैं अपने गुप्त अड्डे तक पर वापस नहीं गया हूं।

क्या पता, कब कहीं से कोई 'सर्विलेंस कैमरा मेरी तस्वीर उतार ले।

लेकिन यह बस आज तक!

"कल से हर कैमरा ही नहीं, राजनगर का हर जीवित प्राणी मेरे ईशारे पर नाचेगा और तब कहां छुपेगें ध्रुव और खंडूरी!"
अब राजनगर मेरा है। उसके बाद महानगर फिर हिंदुस्तान और फिर सारा जहान!
सोचता हूं कि इस ग्रह का नाम ही पृथ्वी से बदलकर नैनो रख दूं।
पृथ्वी को छोड़ो, तुम अपना नाम बदल लो...

...जैसे कैदी नैनो, या बंदी नैनो!

तू.. तू यहां कैसे आ गया? तुझे कैसे पता चला कि...
कि नैनोबॉट्स की एक बड़ी खेप इस BLIMP में गैस के साथ घुली हुई है?
और जब यह गुब्बारा फटेगा तो वे लाखों नैनोबॉट्स पूरे राजनगर के वातावरण में घुलकर सांस के जरिए राजनगर वासियों के शरीर में पहुंचेंगे और फिर तुम्हारे गुलाम बन जाएंगे!
वाऽऽह! बिल्कुल सही! पर.. तूने यह समझा कैसे?
पीछे से सोचना शुरू किया? और यह एड वाला BLIMP मुझे नजर आ गया।

इस नाम की कंपनी की छानबीन की तो कंपनी का पता फर्जी निकला और मैं समझ गया कि यही तुम्हारा अस्त्र है राजनगर पर वार करने का।
मैं नोटिस कर रहा हूं कि तू पुलिस वगैरह को साथ नहीं लाया। यानी तू खतरे को समझ रहा है।
तो अब इसे तू फोड़ेगा या मैं फोड़ूं?
या पहले तू खुद यहां से फूटना चाहेगा।

इस बार तू बचेगा नहीं। इस बार के नैनोबॉट्स,रोम छिद्रों तक से शरीर में घुस सकते हैं।
और अब इस ब्लिंप के नैनोबॉट्स से भरे अलग-अलग चैंबर्स फटने वाले हैं।

अरे! ये... यह इस रिमोट को क्या हुआ?
मैं दाएं का कमांड दे रहा हूं, और यह जा रहा है बाएं!
च्च्च्! अब तो रिमोट भी तुम्हारा साथ नहीं दे रहा!

लाओ, रिमोट इधर दे दो! मैं एक अच्छे मैकेनिक को जानता हूं। ठीक करवा दूंगा इसे।
और तुम्हें खुद कर लूंगा!
आऽऽह! मैं...मैं समझ गया।
रिमोट का 'सेंसिंग कमांड' इस ब्लिंप के 'कॉकपिट' में है। यानी वहां पर कोई और है।

"कोई आया है तेरे साथ! शायद उस टीन के डिब्बे रोबो की ढक्कन जैसी बेटी नताशा!"
AUTO
MANUEL
"तुम वाकई बुद्धिमान हो, नैनो! सीधा सा प्लान है हमारा। ब्लिंप को समुद्री सीमा से बीस मील अंदर ले जाना जहां से 'नैनोबॉट्स' राजनगर तक कभी भी सही सलामत पहुंच ही न पाएं।"

तब तो मुझे कॉकपिट में जाकर खुद कंट्रोल संभालने होंगे।
हर बार जाने की जल्दी में ही रहते हो, नैनो।
इस बार तो बगैर खातिरदारी किए मैं तुम्हें जाने नहीं दूंगा।
मेहमान तो तू है, बेटे! पीछे देख!

घबरा मत! अभी न तू फूटेगा और न यह ब्लिंप! ये रबर की गोलियां हैं। पुलिस स्टेशन के 'रैपिड एक्शन फोर्स' के स्टोर रूम से उठाकर लाए हैं ये इसे!
पहचाना नहीं इन्हें? अरे, ये वही बैंक लुटेरे हैं।
तू इनसे निपट...

"राजनगर के केंद्र पर!"

इसके ग्लाइडर को फाड़ दे। फिर अपने आप नीचे गिर जाएगा यह परकटा!

देखा! अब हम उड़ सकते हैं पर यह नहीं!

नीचे गिरा दे इसे गुब्बारे से!

आऊ! ये 'रबर' बुलेट्स लगती बड़ी तेज हैं।

इनसे बचकर ब्लिंप के कंट्रोल केबिन तक पहुंचूं तो कैसे?
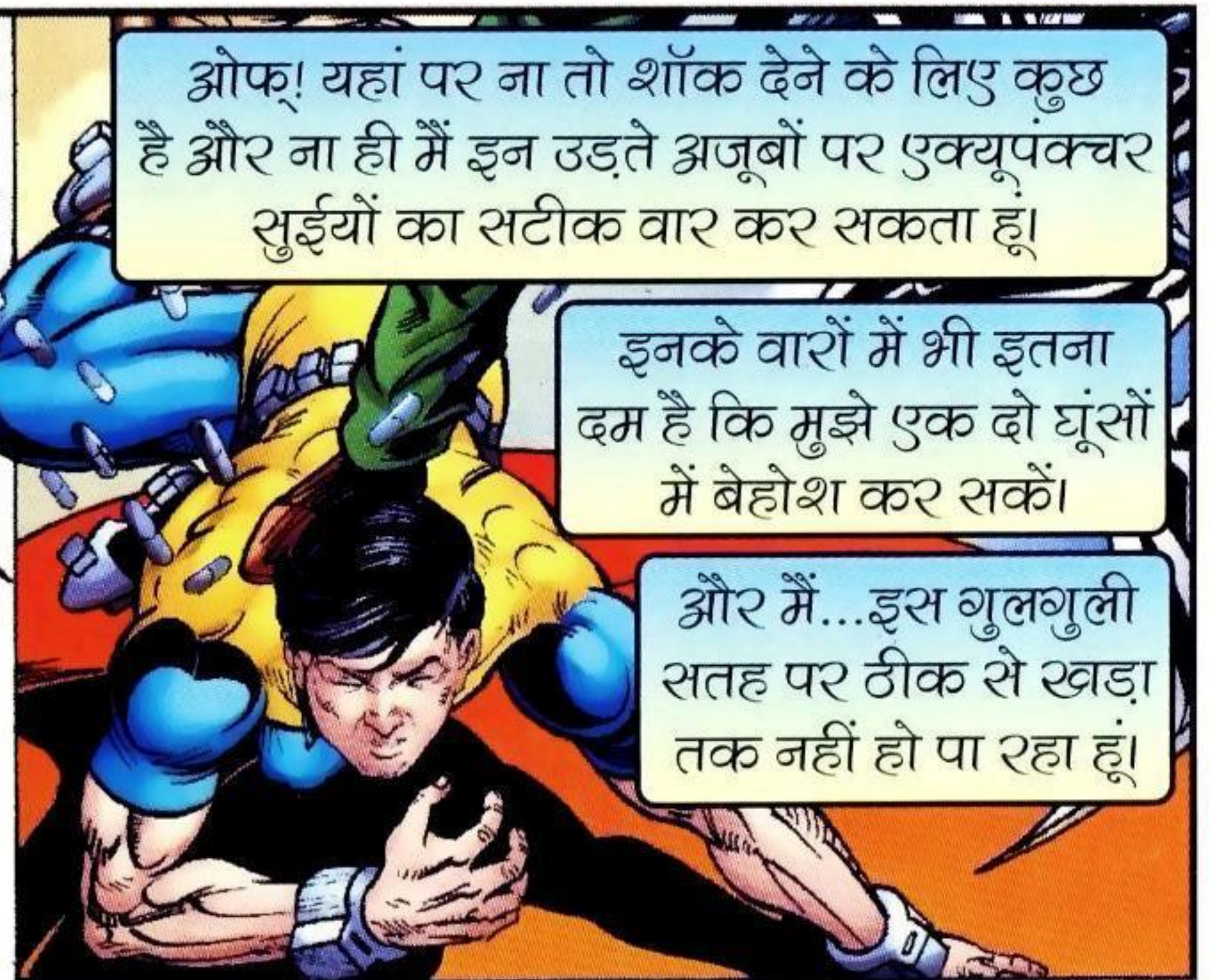
ओफ्! यहां पर ना तो शॉक देने के लिए कुछ है और ना ही मैं इन उड़ते अजूबों पर एक्यूपंक्चर सुईयों का सटीक वार कर सकता हूं।

इनके वारों में भी इतना दम है कि मुझे एक दो घूंसों में बेहोश कर सकें।

और मैं...इस गुलगुली सतह पर ठीक से खड़ा तक नहीं हो पा रहा हूं।

...अपने वारों में स्पीड लाना तो दूर की बात है।

जुपिटर सर्कस के दिन याद दिला दिए इन अजूबों ने। जब मैं ऐसे ट्रैम्पोलीन पर...

...ट्रैम्पोलीन पर! यस!

याद आ गया कि मैं ट्रेम्पोलीन पर तीस-तीस फुट ऊपर उछल जाता था और इन गुंडों के मुंह की तरह ऊपर लटके मटकों को फोड़ता था।

मजा आ गया। क्या स्पीड और पॉवर आ गई मेरे वारों में।
बीते दिन याद दिला दिए तूने...

"नैनो।"
हाहाहा। अब यह आखिरी वार तेरी पसलियों को तेरी रीढ़ में ऐसे फंसा देगा...

जैसे तेरी खोपड़ी में यह हेलमेट!
ध्रुव! तू... तू उनसे बच गया... खैर!!

शायद तेरी मौत यहां पर होनी तय थी। मेरे हाथों।
और यह खिलौना तुझे कैसे मिला? यह तो मेरी गुप्त लैब में था। वहां तक तू पहुंचा कैसे?
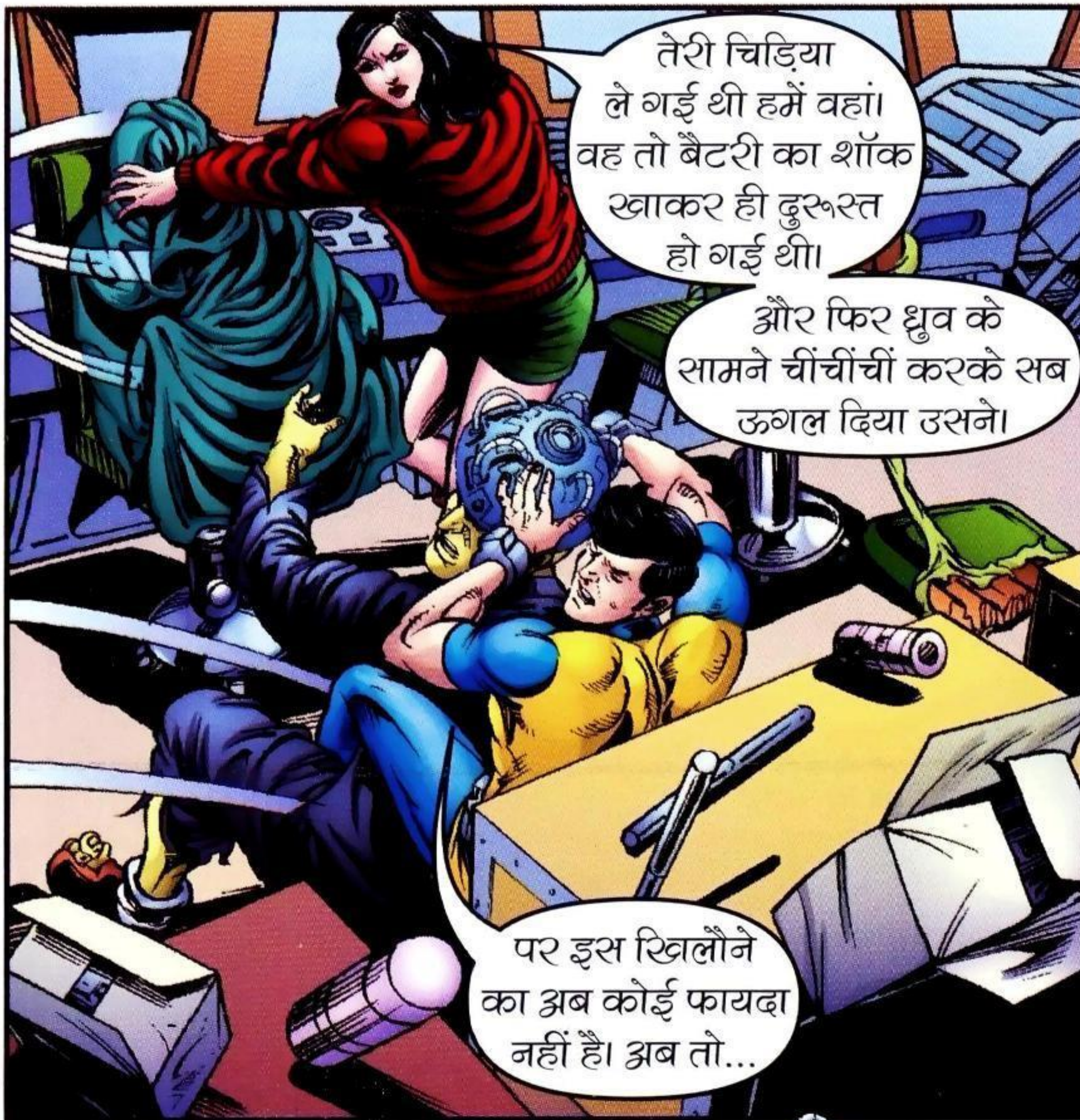
तेरी चिड़िया ले गई थी हमें वहां। वह तो बैटरी का शॉक खाकर ही दुरुस्त हो गई थी।
और फिर ध्रुव के सामने चींचीं करके सब ऊगल दिया उसने।
पर इस खिलौने का अब कोई फायदा नहीं है। अब तो...
दूसरा हेलमेट भी है हमारे पास! बाला खंडूरी तो है ही!!
आऽऽह! य... यह नहीं हो सकता। बाला!! मूर्खता मत कर!
तू..तू अपने आप को ही... मार रहा है।
अब तो बता दो, ध्रुव, कि यह चक्कर क्या है? क्या समझे थे तुम वह C.C.T.V. फुटेज देखकर!
तुमने देखा था न कि खंडूरी कैसे बेहोश हो गया था। देखने से यह स्पष्ट था कि खंडूरी अपनी 'मेंटल एक्टिविटी से' नैनोबॉट्स को कंट्रोल कर रहा था!
पर जो 'बॉट्स' उसे कंट्रोल करने थे वह आर्थर के बदन में थे। इसीलिए उसे पहले आर्थर के दिमाग को कंट्रोल करना था। ताकि वह आर्थर के दिमाग के जरिए उसके नर्वस सिस्टम और फिर उन नैनोबॉट्स को कंट्रोल कर सके।

पर तभी खंडूरी को अत्यधिक मानसिक तनाव के कारण दिल का दौरा पड़ गया।
खून का दौड़ान रुक गया। दिमाग ने काम करना बंद कर दिया और उसका चैतन्य मानस यानी 'कांशस माईंड आर्थर के शरीर में फंस कर रह गया।
इसीलिए खंडूरी पागल हो गया। आर्थर उसी चैतन्य मानस के कारण फिर जीवित हुआ जिसमें नैनोबॉट्स को कंट्रोल करने की क्षमता थी।
पर उसे डर था। कि खंडूरी कभी न कभी उससे अपना मानस वापस ले लेगा।
इसीलिए वह खंडूरी को मारना...

ओ गॉड। बम फटने शुरू हो गए हैं।
HALOR

आर्थर... ओ। यह तो... खैर। यह तो मर ही चुका था।
खंडूरी जी, आइए। किसी भी समय बैलून फटकर गैस फैल सकती है। फिर हम भी आग में घिर जाएंगे।

आओ, खंडूरी। तुम ठीक हो गए हो। गुड! अभी तुमको डैड का ईलाज...

खंडूरी! यह क्या?

शायद उन्होने फैसला कर लिया है, नताशा।

भस्मासुर बना दिया था खंडूरी ने।

उसने सोच लिया था कि इस भस्मासुर को वह अपनी चिता की आग में भस्म कर देगा।

और नैनो-बॉट्स?

वे अब बेअसर हैं। सिर्फ खंडूरी का दिमाग ही उनको कंट्रोल कर सकता था।

"तुम भी बस... कमाल हो, ध्रुव।"
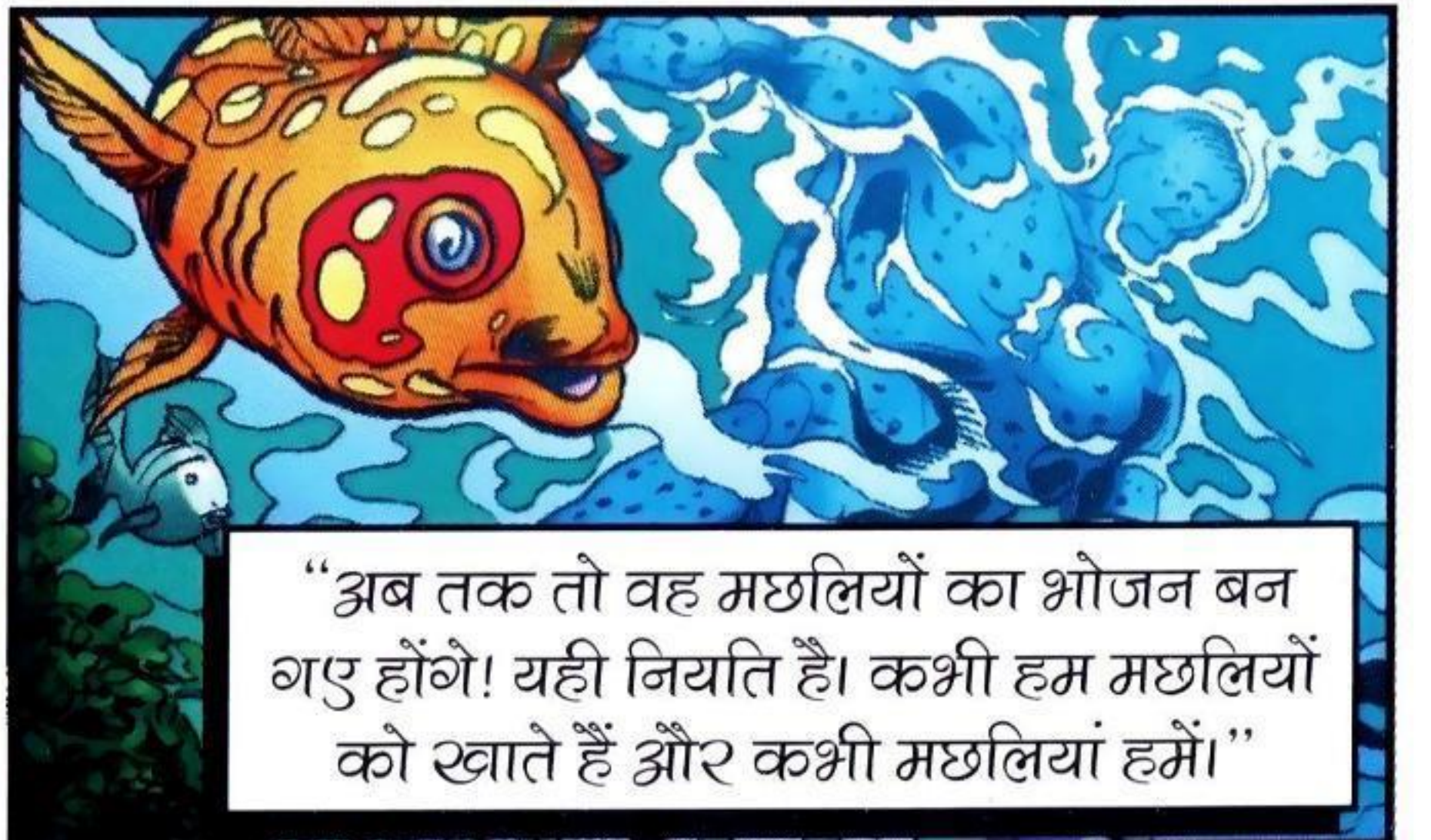
समाप्त।

आखिरकार हमने ढूंढ़ ही निकाला गौरांगी को! इसको हमारे साथ अपनी दुनिया में वापस जाना ही होगा!
इतना आसान नहीं है! यह अब राधा है, विवाहित है और गर्भवती भी!
तो फिर इसका इस दुनिया से संपर्क काटना होगा! इसके शिशु को गर्भ में ही मारना होगा!
'मौत सबको आनी है! और जब इंसान, मौत के दरवाजे पर होता है तो उसके दिमाग में उसकी पूरी जिंदगी घूम जाती है!'
'उसको वो सब याद आता है, जो वो खुद नहीं जानता कि वह जानता था!'
'यादें शुरू होती हैं गर्भ से,...और खुलता है उसका अन्जाना...
बालचरित
Join our facebook page
facebook
http://www.facebook.com/rajcomics
सुपर कमांडो ध्रुव के झंझावाती बचपन की अनजानी पर्तों को खोलती हुई, राज कॉमिक्स की लाखों में एक सीरीज।